दृष्टि
The Vision

करेंट अफेयर्स बिहार

सितंबर (संग्रह)

2021

दृष्टि, 641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009

फोन: 8750187501

ई-मेल: online@groupdrishti.com

अनुक्रम

बिहार **3**

- नीति आयोग की रैंकिंग में शेखपुरा के स्वास्थ्य विभाग को देश में सातवाँ स्थान 3
- 'साराभाई मानद पुरस्कार, 2021' 3
- बिहार में पोटाश एवं क्रोमियम-निकेल के खनन को मंज़ूरी मिली 4
- 175 टन भार उठाने वाली क्रेन 4
- बिहार में ज़मीन से जुड़े विवादों की सुनवाई फिर शुरू करेंगे DCLR 4
- बिहार के 40 कलाकारों को सरकार ने दिया सम्मान 5
- राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार के लिये बिहार के दो कैडेट चयनित 5
- 'ईट स्मार्ट सिटी चैलेंज' 6
- देश के पहले ट्रांसमैन सिपाही बने रचित राज 6
- पराली प्रबंधन का रोहतास मॉडल 6
- शैक्षणिक पर्यटन के लिये बिहार के 5 स्थल चयनित 7
- जल जीवन हरियाली अभियान 7
- देश का पहला महिला कमांडो दस्ता 8

नोट :

बिहार

नीति आयोग की रैंकिंग में शेखपुरा के स्वास्थ्य विभाग को देश में सातवाँ स्थान

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में नीति आयोग द्वारा मार्च से जून तक जारी रैंकिंग में बिहार के शेखपुरा ज़िले को गुड रैंकिंग के साथ पूरे देश में सातवाँ स्थान दिया गया है।

प्रमुख बिंदु

- कोविड के कारण उत्पन्न परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए नीति आयोग द्वारा ज़िलेवार रैंकिंग जारी की गई है।
- शेखपुरा के स्वास्थ्य विभाग को यह उपलब्धि मातृ स्वास्थ्य, संस्थागत प्रसव सहित स्वास्थ्य सेवा में बेहतरी के लिये दी गई है।
- नीति आयोग द्वारा जारी ज़िलों की रैंकिंग में पहले स्थान पर मणिपुर का चांडेल, दूसरे स्थान पर झारखंड का साहिबगंज और तीसरे स्थान पर पंजाब का फिरोज़पुर है।
- नीति आयोग के अनुसार कृषि, शिक्षा, वित्तीय समावेशन एवं कौशल विकास और बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर में शेखपुरा की स्थिति दयनीय है।
- रैंकिंग में सातवाँ स्थान मिलने पर केंद्र सरकार की ओर से ज़िला के स्वास्थ्य विभाग को तीन करोड़ का अतिरिक्त आवंटन दिया जाएगा।

'साराभाई मानद पुरस्कार, 2021'

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में शिक्षक दिवस के अवसर पर सुपर-30 के संस्थापक और गणितज्ञ आनंद कुमार को गणित सिखाना आसान बनाने एवं गरीब बच्चों को आईआईटी की प्रवेश परीक्षाओं में सफल बनाने के लिये राष्ट्रीय अध्यापक वैज्ञानिक परिषद (एनसीटीएस) ने 'साराभाई अध्यापक वैज्ञानिक राष्ट्रीय मानद पुरस्कार, 2021' प्रदान किया है।

प्रमुख बिंदु

- एनसीटीएस के अध्यक्ष चंद्रमौली जोशी ने बताया कि शिक्षक दिवस के अवसर पर डिजिटल तरीके से हुए एक कार्यक्रम में बिहार के निवासी आनंद कुमार को इस संगठन की आजीवन सदस्यता भी प्रदान की गई।
- चंद्रमौली जोशी के अनुसार आनंद कुमार करीब दो दशकों से कमज़ोर तबकों के बच्चों को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में दाखिले से संबंधित प्रवेश परीक्षा 'जेईई एडवांस्ड' के लिये कोचिंग दे रहे हैं।
- उल्लेखनीय है कि गुजरात के रमन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी फाउंडेशन ने अध्यापकों के बीच वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिये एनसीटीएस की स्थापना की थी, जिसका मुख्यालय दिल्ली में है।
- आनंद कुमार ने पुरस्कार आयोजकों को धन्यवाद दिया व कहा कि समाज के कमज़ोर तबके पर सबसे बुरा असर डालने वाली कोविड-19 महामारी के आलोक में वह अब प्रौद्योगिकी के माध्यम से अधिकाधिक लोगों तक पहुँचने की कोशिश कर रहे हैं।

नोट :

बिहार में पोटाश एवं क्रोमियम-निकेल के खनन को मंज़ूरी मिली

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में बिहार के औरंगाबाद और गया ज़िले में पोटाश तथा रोहतास ज़िले में क्रोमियम एवं निकेल के खनन के लिये भारत सरकार ने बिहार सरकार को मंज़ूरी दी है।

प्रमुख बिंदु

- हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित खनिजों की खोज पर आधारित उच्चस्तरीय बैठक में बिहार को खनन के लिये चार ब्लॉक आवंटित किये गए हैं।
- इन चार ब्लॉक में से औरंगाबाद एवं गया ज़िले के लिये पोटाश के एक-एक ब्लॉक तथा रोहतास ज़िले के लिये क्रोमियम एवं निकेल के एक-एक माइनिंग ब्लॉक आवंटित किये गए हैं।
- इन तीन खनिजों के चार ब्लॉकों की नीलामी की जाएगी। इससे बिहार में रोज़गार सृजन के साथ अर्थव्यवस्था भी मज़बूत होगी और बिहार खनिज भंडार वाले राज्यों की श्रेणी में आ जाएगा।
- पोटाश के द्वारा बिहार के खाद उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। इसी प्रकार क्रोमियम एवं निकेल आधारित इस्पात उद्योगों के लिये तैयार होने वाले उत्पादों की शृंखला विकसित हो सकेगी।
- उल्लेखनीय है कि हाल ही में भारत सरकार ने पुष्टि की थी कि बिहार के औरंगाबाद एवं गया ज़िले में पोटाश तथा रोहताश ज़िले में क्रोमियम एवं निकेल के भंडार भारी मात्रा में उपलब्ध हैं।

175 टन भार उठाने वाली क्रेन

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में बिहार के जमालपुर रेल कारखाना के इंजीनियर एवं तकनीशियन द्वारा 175 टन भार उठाने वाली क्रेन की डिजाइन एवं लागत संबंधी रिपोर्ट रेलवे बोर्ड एवं रेल मंत्रालय को सौंपी गई है।

प्रमुख बिंदु

- जमालपुर रेल कारखाना, एशिया का पहला रेल कारखाना है। इसके द्वारा 140 टन भार उठाने वाली क्रेन का निर्माण किया जा रहा है, जिसकी विशेषता यह है कि ये 90° पर काम कर सकती है।
- जमालपुर से पहले महाराष्ट्र के परेल कारखाने में भी ऐसी क्रेन बनाने की कोशिश की गई थी, किंतु उसमें सफलता प्राप्त नहीं हुई।
- अभी तक सिर्फ चीन और जर्मनी में ही 175 टन भार उठाने वाली क्रेन का निर्माण किया जा रहा है।

बिहार में ज़मीन से जुड़े विवादों की सुनवाई फिर शुरू करेंगे DCLR

चर्चा में क्यों ?

- 16 सितंबर, 2021 को बिहार राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव विवेक कुमार सिंह द्वारा भूमि सुधार उप-समाहर्ता (Deputy Collector Land Reforms- DCLR) को फिर से ज़मीन से जुड़े विवादों की सुनवाई करने के अधिकार दिए जाने के संबंध में आदेश जारी किया गया।

प्रमुख बिंदु

- करीब आठ साल से चल रहे अदालती विवाद में सुप्रीम कोर्ट दखल के बाद DCLR को यह अधिकार मिला है।
- अब DCLR किसी विवादित ज़मीन के बारे में यह तय करेंगे कि इसका वास्तविक मालिक कौन है ? इसे टाइटिल सूट या स्वत्ववाद कहते हैं। वे रैयती मामलों से संबंधित वादों की सुनवाई शुरू करेंगे तथा पूर्व के मामलों में पारित आदेशों का कार्यान्वयन भी करेंगे।

नोट :

- गौरतलब है कि बिहार भूमि विवाद निराकरण अधिनियम, 2009 के ज़रिये DCLR को भूमि विवाद की सुनवाई करने का अधिकार दिया गया था। इस अधिनियम को महेश्वर मंडल नामक रैयत ने 2013 में पटना हाई कोर्ट में चुनौती दी थी।
- पाँच साल बाद 2018 में हाईकोर्ट के दिये आदेश पर अमल करते हुए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने नवंबर 2018 में आदेश जारी कर DCLR को अदालती सुनवाई करने से रोक दिया था।

बिहार के 40 कलाकारों को सरकार ने दिया सम्मान

चर्चा में क्यों ?

- 16 सितंबर, 2021 को बिहार के उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने उपेंद्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान के तत्वावधान में बिहार संग्रहालय में आयोजित राज्य पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान राज्य भर के 40 शिल्पियों और कलाकारों को वर्ष 2017-18 के लिये पुरस्कार प्रदान किया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर उद्योग मंत्री ने कहा कि बिहार सरकार राज्य के हर ज़िले में एक हस्तशिल्प को विकसित करेगी। इसे ज़िले की पहचान बनाया जाएगा।
- उन्होंने कहा कि राज्य पुरस्कार की राशि 22 हज़ार से बढ़ाकर 50 हज़ार रुपए कर दी गई है। साथ ही राज्य मेधा पुरस्कार की राशि अब 11 हज़ार से बढ़ाकर 25 हज़ार रुपए की गई है। शिल्पकारों की मदद के लिये सरकार ने एक करोड़ 31 लाख रुपए का रिवाल्विंग फंड तैयार किया है।
- राज्य पुरस्कार प्राप्त करने वाले कलाकार हैं- हेमा देवी (पेपरमेशी), पवन कुमार सागर (मंजूषा कला), सांत्वना सिंह (मेटल क्राफ्ट), राजेंद्र साह (लाह शिल्प), पप्पू कुमार (सिक्की कला), रूपेश कुमार (टेराकोटा), खुशबू कुमारी (टिकुली कला), गोपाल प्रसाद (काष्ठ कला), गणेश प्रसाद (पाषाण कला), नूतन बाला (मिथिला पेंटिंग), नलिनी शाह (मिथिला पेंटिंग), दिनेश कुमार पासवान (मिथिला पेंटिंग), सुरेंद्र पासवान (मिथिला पेंटिंग), अंजु देवी मिश्र (मिथिला पेंटिंग), इंद्रकांत झा (मिथिला पेंटिंग), डॉ. रानी झा (मिथिला पेंटिंग), ममता देवी (मिथिला पेंटिंग), अमित कुमार झा (मिथिला पेंटिंग), प्रियांशु कुमार (मिथिला पेंटिंग), रौशन कुमार (मिथिला पेंटिंग)।
- राज्य मेधा पुरस्कार से सम्मानित कलाकार हैं- मीना देवी (एप्लिक), नीलम भारती (एप्लिक), रिंकू देवी (सूजनी कला), सोनी कुमारी (सूजनी कला), कुमारी किरण (वेणु शिल्प), जितेंद्र कुमार राय (सिक्की कला), दिनेश पंडित (टेराकोटा), शिव शंकर पंडित (टेराकोटा), सोनी कुमारी (टिकुली कला), उमेश ठाकुर (काष्ठ कला), रूपा कुमारी (जूट शिल्प), विभा श्रीवास्तव (क्रोशिया शिल्प), सुशील विश्वकर्मा (बुनाई शिल्प), अनिता पांडेय (भोजपुरी पेंटिंग), संजीव कुमार झा (मिथिला पेंटिंग), पूजा कुमारी (मिथिला पेंटिंग), रजनी कुमारी (मिथिला पेंटिंग), स्नेहा दास (मिथिला पेंटिंग), रंजू देवी (मिथिला पेंटिंग), परीक्षण पासवान (मिथिला पेंटिंग)।

राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार के लिये बिहार के दो कैडेट चयनित

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में वर्ष 2019-20 के राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार के लिये पूरे देश से चयनित 30 एनएसएस स्वयंसेवकों में दो बिहार के कैडेट भी शामिल हैं।

प्रमुख बिंदु

- राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार के लिये चयनित इन दो कैडेटों में जयप्रकाश विश्वविद्यालय के जेपीएम कॉलेज की छात्रा ममता कुमारी तथा मगध विश्वविद्यालय के गया कॉलेज के छात्र विशाल राज शामिल हैं।
- उल्लेखनीय है कि युवा मामले एवं खेल मंत्रालय की इकाई राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा प्रत्येक वर्ष एनएसएस के अति सक्रिय स्वयंसेवक/स्वयंसेविका, कार्यक्रम पदाधिकारी एवं विश्वविद्यालय कार्यक्रम समन्वयक को राष्ट्रीय एनएसएस अवॉर्ड से पुरस्कृत किया जाता है।
- पूरे देश के 30 स्वयंसेवकों, 10 कार्यक्रम पदाधिकारियों एवं 2 कार्यक्रम समन्वयकों को प्रत्येक वर्ष पुरस्कृत किया जाता है।

नोट :

'ईट स्मार्ट सिटी चैलेंज'

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में बिहार के खाद्य संरक्षा आयुक्त एवं पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा संयुक्त रूप से पटना के सभी जेलों एवं अस्पतालों की रसोइयों का हाइजीन ऑडिट शुरू किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि अप्रैल 2021 में केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप पुरी द्वारा ईट स्मार्ट चैलेंज प्रारंभ किया गया।
- स्मार्ट सिटी मिशन एवं भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (Food Safety and Standards Authority of India- FSSAI) द्वारा संयुक्त रूप आयोजित किये जा रहे इस चैलेंज में पटना सहित देश भर के 141 शहरों ने भाग लिया है।
- चैलेंज के अंतर्गत कम-से-कम चार कैंपस (शैक्षणिक, कार्यालय, जेल, अस्पताल), जहाँ खाद्य सामग्री बनाने एवं खिलाने की व्यवस्था है, उनकी 115 मापदंडों के आधार पर हाइजीन ऑडिट कराई जाएगी।
- ऑडिट में 85% अंक अनिवार्य हैं। इन अंकों के आधार पर ही FSSAI द्वारा कैंपस को 'ईट राइट कैंपस' घोषित किया जाता है।
- इस चैलेंज का उद्देश्य शहरी आबादी को सही भोजन विकल्प चुनने तथा स्वस्थ एवं खुशहाल राष्ट्र निर्माण में मदद करना है।

देश के पहले ट्रांसमैन सिपाही बने रचित राज

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में बिहार के रचित राज, जिनकी नियुक्ति कैमूर ज़िले के पुलिस अधीक्षक की गोपनीय शाखा में की गई है, देश के पहले ट्रांसमैन सिपाही बन गए हैं।

प्रमुख बिंदु

- रचना से रचित बने रचित राज बिहार पुलिस के 2018 बैच के सिपाही हैं।
- उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014 में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण बनाम भारत संघ मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने ट्रांसजेंडर लोगों को तीसरे लिंग के रूप में मान्यता प्रदान की थी।
- गौरतलब है कि ट्रांसजेंडर व्यक्तियों (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के खिलाफ भेदभाव को प्रतिबंधित करता है, जिसमें सेवा से इनकार करना या शिक्षा, रोज़गार, स्वास्थ्य सेवा के संबंध में अनुचित व्यवहार शामिल हैं। ऐसे में रचित राज की नियुक्ति ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के सशक्तीकरण की दिशा में उठाया गया एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

पराली प्रबंधन का रोहतास मॉडल

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में बिहार कृषि विश्वविद्यालय द्वारा पराली प्रबंधन के रोहतास मॉडल को पूरे राज्य में लागू करने का निर्णय लिया गया है।

प्रमुख बिंदु

- रोहतास मॉडल के तहत स्ट्राबेलर नामक मशीन की सहायता से उच्च दबाव पर पराली का कंप्रेस्ड बंडल बनाया जाता है। इस बंडल को डेयरी समितियों को बेचा जाता है, जहाँ इसका प्रयोग चारे के रूप में किया जाता है। इससे न केवल कृषकों को अतिरिक्त आय की प्राप्ति होती है, बल्कि पशुपालकों की चारे संबंधी समस्या का समाधान होने से पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा मिलता है।
- उल्लेखनीय है कि कृषि विज्ञान केंद्र, रोहतास के इस पराली प्रबंधन मॉडल को मई 2021 में इको-एग्रीकल्चर अवॉर्ड, 2021 से सम्मानित किया गया है।

नोट :

- इसके अतिरिक्त राज्य कृषि विभाग द्वारा पराली से बायोचार बनाने के प्रयास भी शुरू कर दिये गए हैं, जिसके तहत पराली को विशेष भट्ठी की सहायता से लगभग 360°C तापमान पर जलाकर बायोचार खाद का निर्माण किया जाएगा।
- गौरतलब है कि उत्तर भारत में पराली का प्रबंधन अत्यंत जटिल समस्या है। दरअसल प्रत्येक वर्ष किसानों द्वारा फसल अवशेषों (पराली) को जलाने से विभिन्न प्रकार की पर्यावरण एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ उत्पन्न होती हैं, उदाहरण के लिये दिल्ली एनसीआर में शीत ऋतु में स्मॉग की समस्या। ऐसे में पराली प्रबंधन के रोहतास मॉडल को पूरे बिहार राज्य में विस्तारित करना महत्त्वपूर्ण कदम है।

शैक्षणिक पर्यटन के लिये बिहार के 5 स्थल चयनित

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा छात्रों के लिये शैक्षणिक पर्यटन के उद्देश्य से देश भर में 100 स्थलों को चिह्नित किया गया है, जिसमें 5 स्थलों का संबंध बिहार से है।

प्रमुख बिंदु

- शैक्षणिक पर्यटन को पर्यटन के एक ऐसे रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जिसमें पर्यटन को शैक्षणिक अधिगम के एक महत्त्वपूर्ण उपकरण के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- शैक्षणिक पर्यटन का उद्देश्य सीखने की प्रक्रिया को अधिक व्यावहारिक एवं अंतर्क्रियात्मक बनाने के साथ-साथ विभिन्न संस्कृतियों से परिचित कराना होता है।
- उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के तहत 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के भाव को मज़बूत करने के उद्देश्य से गतिविधि शिक्षा के अंतर्गत शैक्षणिक पर्यटन को शामिल किया गया है, जिसके तहत बिहार से 5 स्थलों- सासाराम, राजगीर, बोधगया, नालंदा एवं वैशाली को चिह्नित किया गया है।
- इन पर्यटक स्थलों का विवरण निम्न प्रकार है-
  - नालंदा: नालंदा 5वीं और 6वीं शताब्दी में गुप्त साम्राज्य के संरक्षण के अधीन विकसित हुआ एक प्रसिद्ध महाविहार एवं बौद्ध शिक्षा का केंद्र था।
  - बोधगया: बोधगया में बोधि वृक्ष के नीचे भगवान गौतम बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी।
  - वैशाली: वैशाली 6वीं शताब्दी ईसा पूर्व में एक विशाल एवं शक्तिशाली गणराज्य था, जहाँ लिच्छवि शासकों द्वारा बुद्ध के निवास के लिये महावन में कट्टागारशाला का निर्माण करवाया गया था।
  - राजगीर: राजगीर बौद्ध धर्म के अष्ट महास्थलों में से एक महत्त्वपूर्ण स्थल है।
  - सासाराम: रोहतास ज़िले में स्थित सासाराम के निकट चंदन शहीद से प्राप्त लघु शिलालेख से इस क्षेत्र में मौर्य विजय की पुष्टि होती है।

जल जीवन हरियाली अभियान

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में बिहार राज्य सरकार द्वारा 'जल जीवन हरियाली अभियान' के तहत अगस्त, 2021 की रैंकिंग जारी की गई है, जिसमें पूरे प्रदेश में बक्सर ज़िले को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

प्रमुख बिंदु

- यह रैंकिंग ग्रामीण विकास विभाग द्वारा दस विभिन्न आयामों के आधार पर प्रत्येक माह जारी की जाती है।
- अगस्त 2021 की रैंकिंग में बक्सर ज़िला को राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है, वहीं गया को द्वितीय एवं जहानाबाद को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है।
- इस रैंकिंग में शिवहर को जहाँ अंतिम स्थान प्राप्त हुआ है, वहीं राजधानी पटना का स्थान 24वाँ है।

नोट :

देश का पहला महिला कमांडो दस्ता

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में बिहार देश का पहला राज्य बन गया है, जहाँ पर महिला कमांडो का दस्ता तैयार किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस में चुनी गई 92 महिला सिपाहियों को महाराष्ट्र के मुतखेड़ स्थित सीआरपीएफ के सेंट्रल ट्रेनिंग सेंटर में ट्रेनिंग दिलाई गई है।
- तीन महीने के प्रशिक्षण में इन्हें बड़े-से-बड़े हमलों को नाकाम करने के लिये विशेष प्रशिक्षण के साथ छोटे-बड़े अत्याधुनिक हथियारों को चलाने का प्रशिक्षण दिया गया है।
- मुख्यमंत्री की सुरक्षा के अलावा एटीएस व एसटीएफ में इनकी तैनाती होगी।
- प्रशिक्षण के बाद इन्हें अवकाश पर भेजा गया था, परंतु अब ये टीम अपनी यूनिट में लौट आई है और अपना कार्य प्रारंभ करने को तैयार है।

दृष्टि The Vision

नोट :